

पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड- XXXI अंक-11

15 जून, 2026



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

हिंदी कक्ष

<https://hindi.iitd.ac.in/>



“अकेले हम बहुत कम कर सकते हैं; लेकिन साथ मिलकर हम बहुत कुछ कर सकते हैं।”

Alone we can do so little; together we can do so much. ”

— हेलेन केलर | Helen Keller

(27 जून, 1880 – 1 जून, 1968)

मुख्य बिंदु

- स्वागत
- स्थानांतरण
- नियुक्तियाँ
- आई.आई.टी. दिल्ली-अबू धाबी के लिए पदों का विस्तार
- संस्थान में केंद्रीय अनुसंधान सुविधा दिवस 2026 का आयोजन
- त्यागपत्र स्वीकृत
- शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए आई.आई.टी. दिल्ली और 18 एन.आई.टी. की संयुक्त पहल

स्वागत

- स्थापना अनुभाग- I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-134/1/2026-Estt.-1I/3327/2026 दिनांक 21.05.2026 के अनुसार **प्रो. सख्यसाची पालदास** ने 01.05.2026 को संस्थान के डिज़ाइन विभाग में प्रोफ़ेसर ऑफ़ प्रैक्टिस के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD-45/341/2026-Estt.-2 Part (1) I/3350/2026 दिनांक 02.06.2026 के अनुसार **श्री संजीव कुमार** ने 19.05.2026 को प्रतिनियुक्ति आधार पर संस्थान में सातवें वेतन आयोग के लेवल-12 में उप कुलसचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD-45/376/2026-Estt.-2I/3486/2026 दिनांक 02.06.2026 के अनुसार **श्रीमती नलिनी मेशराम** ने 01.06.2026 को प्रतिनियुक्ति आधार पर संस्थान में सातवें वेतन आयोग के लेवल-12 में उप कुलसचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग- I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2026/520492 दिनांक 02.06.2026 के अनुसार **प्रो. जगन अरविंदभाई शाह** ने 01.06.2026 को संस्थान के परिवहन अनुसंधान एवं चोट रोकथाम केंद्र में प्रोफ़ेसर ऑफ़ प्रैक्टिस के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

स्थानांतरण

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD-45/341/2026-Estt.-2-Part (1)I/3443/2026 दिनांक 29.05.2026 के अनुसार संस्थान हित में निम्नलिखित ग्रुप 'ए' अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक निम्नलिखित कर्तव्य सौंपे गए हैं:

क्र. सं.	अधिकारी का नाम, पदनाम, कर्मचारी कोड संख्या	अनुभाग	
		से	तक
1.	श्री संजीव कुमार (28022) उप कुलसचिव (प्रतिनियुक्ति आधार पर)	पोस्टिंग पोल	भर्ती प्रकोष्ठ
2.	श्री दीपक राजा, (27892) सहायक कुलसचिव	स्थापना-II, भर्ती प्रकोष्ठ, ई-ऑफिस	स्थापना -II, ई-ऑफिस

नियुक्तियाँ

- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD/68/2025-REGISOF-FI/3446/2026 दिनांक 29 मई, 2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने **प्रो. सुरेश नीलकंठन** (पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग) को 01.06.2026 से 31.05.2027 तक के लिए करियर सेवाएँ कार्यालय (ओ.सी.एस.) के प्रोफ़ेसर प्रभारी के रूप में नियुक्त किया है।
- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD/68/2025-REGISOF-FI/3446/2026 दिनांक 29 मई, 2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने **प्रो. मंजेश कुमार** (रासायनिक इंजीनियरी विभाग) को 01.06.2026 से 31.05.2027 तक के लिए करियर सेवाएँ कार्यालय (ओ.सी.एस.) के सह प्रोफ़ेसर प्रभारी के रूप में नियुक्त किया है।
- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD/68/2025-REGIOF-FI/3671/2026 दिनांक 10 जून, 2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने **प्रो. शेख ज़ियाउद्दीन अहमद** (जैव रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव

प्रौद्योगिकी विभाग) को गेट/जैम 2027 के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD/68/2025-REGIOFFI/3671/2026 दिनांक 10 जून, 2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने **प्रो. जोसमन जैकब** (पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग) को गेट/जैम 2027 के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।
- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD/68/2025-REGIOFFI/3671/2026 दिनांक 10 जून, 2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने **प्रो. शौर्यव्रत चटर्जी** (विद्युत इंजीनियरी विभाग) को गेट/जैम 2027 के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

आई.आई.टी. दिल्ली-अबू धाबी के लिए पदों का विस्तार

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD/68/2025-REGISOF-FI/3563/2026 दिनांक 04.06.2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने आई.आई.टी. दिल्ली-अबू धाबी के लिए निम्नलिखित पदों के कार्यकाल में 1 वर्ष अर्थात् 30.06.27 तक का विस्तार किया है:

क्र. सं.	पदनाम	संकाय सदस्य का नाम
1.	वाइस प्रोवोस्ट (शैक्षिक एवं छात्र मामले)	प्रो. आशु वर्मा ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग
2.	वाइस प्रोवोस्ट (अनुसंधान एवं बाहरी सहभागिता)	प्रो. एम. अली हैदर रासायनिक इंजीनियरी विभाग

संस्थान में केंद्रीय अनुसंधान सुविधा दिवस 2026 का आयोजन



संस्थान द्वारा 27 मई, 2026 को सी.आर.एफ. दिवस का आयोजन किया गया। सी.आर.एफ. दिवस पर शोधार्थियों, उद्योग जगत के जानेमाने व्यक्तित्वों, वित्तपोषण एजेंसियों और प्रौद्योगिकी भागीदारों को एक मंच पर लाया गया और उन्हें संस्थान की उन्नत अनुसंधान अवसंरचना एवं वर्तमान वैज्ञानिक साझेदारियों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर “सी.आर.एफ. पुस्तिका” का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर प्रो. रंगन बनर्जी, निदेशक ने कहा कि “आई.आई.टी. दिल्ली की केंद्रीय अनुसंधान सुविधा का मुख्य लक्ष्य अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएँ उपलब्ध कराना और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी तथा स्थानीय रूप से प्रासंगिक शोध को बढ़ावा देना है। हमारा लक्ष्य आई.आई.टी. तथा देशभर के शोधार्थियों और विद्यार्थियों को 24/7 अनुसंधान सुविधाओं की निर्बाध एवं सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना है।”

सी.आर.एफ. दिवस के अवसर पर आगंतुकों के समक्ष प्रदर्शित कुछ अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं इस प्रकार हैं:

- **क्रायो इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (SATHI):** यह अत्याधुनिक 300 kV क्रायो-इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप शोधार्थियों को बायोमॉलिक्यूल्स, कोशिकीय संरचनाओं आदि की 3D संरचनाओं को उनकी मूल जमी हुई अवस्था में लगभग परमाणु रिज़ॉल्यूशन पर कैप्चर करने में मदद करता है।
- **इलेक्ट्रॉन प्रोब माइक्रो एनालाइज़र (EPMA):** ई.पी.एम.ए. की मदद से वैज्ञानिक किसी नमूने में मौजूद तत्वों की पहचान करते हैं और उन्हें मापते हैं। साथ ही, धातुओं, खनिजों, सेमीकंडक्टरों तथा उच्च परिशुद्धता वाली उन्नत सामग्रियों के अध्ययन के लिए व्यापक रूप से इसका उपयोग किया जाता है।
- **फील्ड एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (FESEM):** एफ.ई.एस.ई.एम. पदार्थों की सतहों की उच्च आवर्धन वाली विस्तृत तस्वीरें उपलब्ध कराता है। यह शोधार्थियों को नैनोस्केल संरचनाओं, सतह की विशेषताओं और उन सूक्ष्म दोषों को देखने में मदद करता है, जो सामान्य माइक्रोस्कोप से दिखाई नहीं देते।
- **सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर (SCXRD):** एस.सी. एक्स.आर.डी. का उपयोग क्रिस्टलीय पदार्थों के भीतर सटीक परमाणु विन्यास को निर्धारित करने के लिए किया जाता है। यह शोधार्थियों को रसायन विज्ञान, औषधीय (फार्मास्यूटिकल्स) और पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण आणविक और क्रिस्टल संरचनाओं को समझने में मदद करता है।

● **ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (TEM):** टी.ई.एम. की मदद से वैज्ञानिक पदार्थों को परमाणु और नैनोमीटर स्तर पर देख पाते हैं। इसका उपयोग उन्नत पदार्थों और उपकरणों में आंतरिक संरचना, क्रिस्टल व्यवस्था और नैनोकणों का अध्ययन करने के लिए किया जाता है।

● **गैस क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जी.सी.एम.एस.):** जी.सी.एम.एस. का उपयोग किसी नमूने में उपस्थित विभिन्न रासायनिक यौगिकों को पृथक करने एवं उनकी पहचान करने के लिए किया जाता है। इसका व्यापक उपयोग पर्यावरणीय परीक्षण, औषधि विश्लेषण, खाद्य सुरक्षा तथा फॉरेंसिक विज्ञान में किया जाता है।

● **मेडटेक (एम-प्रगति):** एम-प्रगति चिकित्सा उपकरणों एवं प्रौद्योगिकी के विकास, विनिर्माण तथा परीक्षण का एक राष्ट्रीय केंद्र है। इसका उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों को 'प्रूफ ऑफ़ कॉन्सेप्ट' (अवधारणा के प्रमाण) से लेकर व्यावसायिक उत्पादों तक पहुँचाना है।

प्रो. मणिदीपा बनर्जी, अध्यक्ष, सी.आर.एफ. ने कहा, “आई.आई.टी. दिल्ली देश की सबसे बड़ी अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं में से एक है, जो हौज़ खास एवं सोनीपत परिसरों में फैली हुई है। सी.आर.एफ. दिवस हमारा वार्षिक कार्यक्रम है, जिसमें हम सी.आर.एफ. की सभी सुविधाओं, शिक्षाजगत, उद्योग तथा सरकारी हितधारकों के प्रतिनिधियों को सहयोग एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक मंच पर लाते हैं।”

इस कार्यक्रम में विभिन्न सी.आर.एफ. सुविधाओं, आई.आई.टी. दिल्ली स्थित “सोफिस्टिकेटेड एनालिटिकल एंड टेक्निकल हेल्प इंस्टीट्यूट” (साथी-SATHI) फाउंडेशन तथा चिकित्सा उपकरणों एवं प्रौद्योगिकी विकास का राष्ट्रीय केंद्र “एम-प्रगति” की ओर से तकनीकी व्याख्यान एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम

से अत्याधुनिक अनुसंधान क्षमताओं एवं शिक्षाजगत-उद्योग सहयोग के अवसरों को प्रदर्शित किया गया।

संस्थान सी.आर.एफ., साथी एवं एम-प्रगति जैसी पहलों के माध्यम से देश के वैज्ञानिक इकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने तथा नवाचार-आधारित विकास एवं उन्नत प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों को सतत गति प्रदान कर रहा है।

शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए आई.आई.टी. दिल्ली और 18 एन.आई.टी. की संयुक्त पहल



संस्थान ने देशभर के 18 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (NITs) के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करते हुए एक अहम राष्ट्रीय शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग नेटवर्क आरंभ करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की परिकल्पना के अनुरूप शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार, अनुसंधान सहयोग और प्रतिभा विकास हेतु एक अनुकूल माहौल बनाना है।

इस साझेदारी नेटवर्क की शुरुआत 4 जून, 2026 को आयोजित एक कार्यक्रम में की गई, जहाँ सुश्री सौम्या गुप्ता, संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (वर्चुअल माध्यम से उपस्थित), एन.आई.टी. के निदेशक के साथ संस्थान के निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD-45/200/2025-Estt.-21/3617/2026 दिनांक 08.06.2026 के अनुसार **श्री दविंदर सिंह कालरा**, कनिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी, हिंदी कक्ष ने संस्थान में अपने पद से त्यागपत्र दिया था, जिन्हें 08.06.2026 को संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।

इन 18 भागीदार संस्थानों में एन.आई.टी. सिक्किम, एन.आई.टी. मेघालय, एन.आई.टी. सिलचर, एन.आई.टी. जमशेदपुर, एन.आई.टी. राउरकेला, एन.आई.टी. रायपुर, वी.एन.आई.टी. नागपुर, एस.वी.एन.आई.टी. सूरत, एम.एन.आई.टी. जयपुर, एम.ए.एन.आई.टी. भोपाल, एम.एन.एन.आई.टी. इलाहाबाद, एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र, एन.आई.टी. श्रीनगर, एन.आई.टी. तिरुचिरापल्ली, एन.आई.टी. कालीकट, एन.आई.टी. सूरथकल, एन.आई.टी. वरंगल और एन.आई.टी. जलंधर शामिल हैं।

यह पहल भारत के अग्रणी प्रौद्योगिकी संस्थानों में अत्यंत विशाल संरचित शैक्षणिक साझेदारी फ्रेमवर्क में से एक है। इस पहल से भागीदार संस्थानों के विद्यार्थी और संकाय सदस्य लाभान्वित होंगे और उन्हें शैक्षणिक विनिमय,

संयुक्त अनुसंधान, अनुसंधान अवसंरचना के साझा प्रयोग, परियोजनाओं और शोध प्रबंधों के संयुक्त मार्गदर्शन/पर्यवेक्षण, संकाय सदस्य विकास कार्यक्रम और बहुविद्याशाखायी नवाचार गतिविधियों में प्रतिभागिता के अधिक अवसर प्राप्त होंगे।

इस साझेदारी की एक मुख्य विशेषता एन.आई.टी. के मेधावी विद्यार्थियों के लिए आई.आई.टी. दिल्ली में उन्नत अध्ययन (एडवांस्ड स्टडीज़) की शुरुआत है। इसके अंतर्गत पात्र स्नातक विद्यार्थी अपने अंतिम वर्ष की पढ़ाई आई.आई.टी. दिल्ली में 'विशेष विनिमय विद्यार्थी' के रूप में कर सकेंगे और आई.आई.टी. दिल्ली के संकाय सदस्यों की देखरेख में उन्नत कोर्सवर्क, अनुसंधान परियोजना कार्य तथा शैक्षणिक गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे। इसी तरह, सहभागी एन.आई.टी. के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को भी आई.आई.टी. दिल्ली में अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल होने के अवसर मिलेंगे।

इस फ्रेमवर्क के तहत 'पूर्व प्रवेश योजना' भी आरंभ की गई है। इसमें सहभागी एन.आई.टी. के मेधावी विद्यार्थियों के लिए गेट (GATE) या अन्य राष्ट्रीय-स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण किए बिना ही आई.आई.टी. दिल्ली में एम.टेक., एम.एस. (अनुसंधान) और पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश हेतु विचार किया जा सकता है, बशर्ते वे तय शैक्षणिक एवं अनुसंधान प्रदर्शन मानदंडों को पूरा करते हों। इस योजना को इस प्रकार कार्यान्वित किया जाएगा कि शुरुआती स्तर पर ही उत्कृष्ट प्रतिभा की पहचान व उनका विकास किया जा सके, साथ ही उन्नत अनुसंधान और उच्च शिक्षा के लिए उनकी राह आसान बनाई जाए।

इसके अतिरिक्त, इस सहयोग में क्रेडिट ट्रांसफर, क्रेडिट शेयरिंग और एडवांस्ड स्टैंडिंग के प्रावधान शामिल हैं, जिनसे पात्र विद्यार्थी अपनी कुछ शैक्षणिक आवश्यकताओं को आई.आई.टी. दिल्ली में पूरा कर सकते हैं और साथ ही दोनों संस्थानों से मान्य क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं। इस नवीन शैक्षणिक संरचना से अध्ययन की गुणवत्ता और गंभीरता बनाए रखते हुए उन्नत उपाधि पूरी करने में लगने वाले समय को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

इस अवसर पर प्रो. रंगन बनर्जी, निदेशक ने अपने उद्बोधन में कहा कि "यह पहल संस्थान-केंद्रित विकास की पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर उच्च शिक्षा के एक सहयोगात्मक राष्ट्रीय मॉडल की ओर बढ़ते कदम को दर्शाती है। आई.आई.टी. दिल्ली और एन.आई.टी. के बीच की यह साझेदारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप है और एक अधिक परस्पर संबद्ध व वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी उच्च शिक्षा प्रणाली के निर्माण में योगदान देती है। इस पहल के माध्यम से हम एक सहयोगात्मक व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जिससे देशभर के विद्यार्थियों एवं संकायों के लिए शिक्षा एवं अनुसंधान के अवसरों का विस्तार हो सके।"

समझौता ज्ञापनों के अंतर्गत सहयोगात्मक गतिविधियों का समर्थन करने के लिए, संस्थान ने ALIGN (Academic Linkages for Innovation and National Growth) नामक एक संस्थागत पहल की शुरुआत की है। यह एक समर्पित संस्थागत पहल है, जिसमें निम्नलिखित तीन पूरक घटक शामिल हैं:

- **प्री-डॉक्टरल फेलोशिप योजना:** यह संस्थान में डॉक्टरल अध्ययन के इच्छुक प्रतिभाशाली स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को अवसर एवं वित्तीय सहायता प्रदान करती है;
- **रिसर्च सीड ग्रांट योजना:** यह आई.आई.टी. दिल्ली और एन.आई.टी. के संकाय सदस्यों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधियों, संकाय विनिमय, विद्यार्थी गतिशीलता, संयुक्त प्रस्तावों के विकास तथा अनुसंधान प्रकाशनों की तैयारी को समर्थन प्रदान करती है;
- **रिसर्च इमर्शन विज़िट योजना:** इसके माध्यम से संस्थान के संकाय प्रतिनिधिमंडल सहयोगी संस्थानों का दौरा करेंगे ताकि सहयोग के अवसरों की पहचान, शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करना तथा विशेषज्ञता और अनुसंधान अवसंरचना को साझा करना संभव हो सके।

प्रो. धन्या सी. टी., संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक) ने इस पहल के शैक्षणिक महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "उच्च शिक्षा का भविष्य सहयोग और शैक्षणिक गतिशीलता में निहित है। 18 एन.आई.टी. के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, संस्थान प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए उन्नत पाठ्यक्रम, अनुसंधान के अवसर, संकाय मार्गदर्शन और त्वरित स्नातकोत्तर कार्यक्रमों तक पहुंच के नए मार्ग बना रहा है। हमें विश्वास है कि यह पहल प्रमुख संस्थानों के बीच अधिक शैक्षिक एकीकरण को बढ़ावा देगी और शोधकर्ताओं की अगली पीढ़ी तैयार करने में सहायता करेगी।"